

## Bill to set up cooperative university in Gujarat cleared by Lok Sabha

# Bill to set up cooperative university in Gujarat cleared by Lok Sabha

### HT Correspondent

letters@hindustantimes.com

**NEW DELHI:** The Lok Sabha on Wednesday passed the Tribhuvan Sahkari University Bill, 2025, which aims to establish the Institute of Rural Management (IRMA) into a university in Anand district of Gujarat to create a qualified manpower for co-operative societies.

During a discussion on the bill in the Lok Sabha, Union home and cooperation minister Amit Shah said the university has been named after one of the pioneers of cooperative movement in India, Tribhuvandas Kishibhai Patel,

who was instrumental in laying the foundation of Amul dairy cooperative.

“The university will strengthen the rural economy, develop self-employment and small entrepreneurship, increase social inclusion and establish many new standards in innovation and research,” Shah said, emphasising that the university will have the capacity to churn out over 800,000 qualified and trained job seekers in the cooperative sector annually.

The bill also seeks to declare the proposed university an “institution of national importance.”

Shah said though the university is being set up in Gujarat as the

land was provided by the state government, it will cover all states “across the length and breadth of the country”. He added that institutes across the country would be affiliated with the university.

The Union minister also told Parliament that a cooperative insurance company will be set up soon to provide insurance coverage to all cooperative societies in the country. “I assure you that once this is formed, this will be the biggest insurance company.”

Shah further said that in the coming days, “Sahkar Taxi” on the lines of aggregators — Ola and Uber — will be set up on a cooperative model.

Publication	The Morning Standard	Language	English
Edition	New Delhi	Journalist	Preetha Nair
Date	27/03/2025	Page no	7
CCM	76.42		

# Univ to prep manpower for co-op societies okayed

## Univ to prep manpower for co-op societies okayed

PREETHA NAIR @ New Delhi

THE Lok Sabha on Wednesday passed a bill to set up 'Tribhuvan Sahkari University' in Gujarat's Anand with an aim to create a qualified manpower for co-operative societies.

The university has been named after Tribhuvandas Kishibhai Patel, who was one of the pioneers of the cooperative movement in India and instrumental in laying the foundation of Amul, Minister of Cooperation Amit Shah said during a debate on the 'Tribhuvan Sahkari University Bill, 2025. Amul's journey started in 1946 and has become the world's biggest dairy brand with a turnover of ₹ 60,000 crore, he said.

The proposed university will also address the long pending issue of capacity building of employees and board members in the cooperative sector in a pan-India and focused manner.

Shah took a swipe at some opposition members for their demand that the university should have been named after Verghese Kurien, associated with the growth of milk cooperatives in Gujarat, saying that Patel was a Congress leader who gave job to Kurien.

According to the Bill, the

present education and training infrastructure in the co-operative sector is "grossly inadequate" to meet the present and future demand for qualified

manpower and capacity building of existing employees.

Opposition MPs accused the government of trying to destroy IRMA.

Publication	Business Standard	Language	English
Edition	New Delhi	Journalist	PTI
Date	27/03/2025	Page no	7
CCM	5.31		

## **45,811 co-op societies under liquidation**

# **45,811 co-op societies under liquidation**

**Cooperation Minister Amit Shah on Wednesday said about 45,811 cooperative societies are under liquidation. Shah, in a written reply to the Rajya Sabha, said there are 832,000 cooperative societies as per the National Cooperative Database.**

**PTI**



Publication	Business Standard	Language	English
Edition	New Delhi	Journalist	PTI
Date	27/03/2025	Page no	6
CCM	25.81		

## 'Sahkar Taxi' on the lines of Ola, Uber on the anvil: Amit Shah

# 'Sahkar Taxi' on the lines of Ola, Uber on the anvil: Amit Shah

**PRESS TRUST OF INDIA**

New Delhi, 26 March

Minister of Cooperation Amit Shah (*pictured*) on Wednesday announced that 'Sahkar Taxi,' on the lines of Ola and Uber, will be set up to register two-wheelers and four-wheelers.

The money will go directly to the driver instead of the app operator, he said during a debate on the Tribhuvan Sahkari University Bill, 2025, in the Lok Sabha. The House passed the Bill to establish the university in Gujarat's Anand, aiming to create a qualified workforce for cooperative soci-



eties. To further strengthen the cooperative sector in India, Shah said a cooperative insurance company will be set up soon to provide insurance coverage to all cooperative societies in the country. He expressed confidence that the insurance company will even-

tually emerge as the largest private insurer. To expand the cooperative movement, he said an additional 200,000 Primary Agricultural Credit Societies (PACS) will be created before the 2029 general elections. With this addition, all villages will have their own PACS, he said, adding that all states have adopted model bylaws bringing 50 economic activities under their ambit.

The Tribhuvan Sahkari University Bill seeks to establish India's first university for the cooperative sector to build the capacity of personnel engaged in the field.

## Lok Sabha approves Tribhuvan Cooperative University Bill, rural economy will be strengthened

# त्रिभुवन सहकारी विवि विधेयक पर लोकसभा की मुहर, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती

केंद्रीय मंत्री शाह ने सहकारिता क्षेत्र में नया अध्याय करार दिया

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। लंबी चर्चा के बाद सहकारी क्षेत्र में अहम बदलाव लाने वाले त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय विधेयक को लोकसभा की मंजूरी मिल गई। विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इसे सहकारिता के क्षेत्र में नया अध्याय बताते हुए दावा किया कि इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ ही स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

विपक्ष ने इस दौरान विश्वविद्यालय का नाम श्वेत क्रांति के जनक वर्गीस कुरियन के नाम पर करने की मांग की। विपक्ष ने पहले सहकारी विश्वविद्यालय की स्थापना गुजरात में करने के फैसले पर भी सवाल उठाए। विधेयक पर तीन घंटे की चर्चा का जवाब देते हुए शाह ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने और स्वरोजगार का अवसर बढ़ाने के लिए सहकारिता क्षेत्र में विकास जरूरी है। इसकी जरूरत को



लोकसभा में चर्चा का जवाब देते सहकारिता मंत्री अमित शाह।

समझते हुए मोदी सरकार ने इस मंत्रालय का गठन किया। उन्होंने कहा कि यह देश का पहला विश्वविद्यालय होगा जो सहकारी क्षेत्र में शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान के अवसर तैयार करेगा। इसके जरिए सहकारी समितियों में प्रबंधकीय, तकनीकी और प्रशासनिक

भूमिकाओं के लिए कुशल पेशेवरों का विकास करने के साथ पूरे देश में मानकीकृत सहकारी शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। शाह ने कहा कि सहकारिता ही ऐसा क्षेत्र है जो देश के हर परिवार को जोड़ता है। वह इसलिए कि हर गांव में कोई न कोई ऐसी इकाई है जो इसके

### बंगाल में भी खिलेगा कमल

शाह ने विपक्ष पर विकास की अनदेखी करने और मोदी सरकार के प्रयासों को राजनीतिक कारणों से असफल करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने विपक्ष को चेताते हुए कहा कि उन्हें इसका नुकसान होगा।

■ शाह ने कहा कि दिल्ली ने आयुष्मान योजना लागू नहीं की, नतीजे में आप की यहां से विदाई हो गई। अब इस योजना को टुकड़ाने वाले पश्चिम बंगाल की बारी है।

■ बंगाल में भी जल्दी कमल खिलेगा और इस प्रदेश के लोगों को भी दिल्ली और पूरे देश की तरह इस योजना का लाभ मिलेगा।

### 45,811 सहकारी समितियां बंद होने के कगार पर

नई दिल्ली। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को राज्यसभा में बताया कि करीब 45,811 सहकारी समितियां बंद होने के कगार पर हैं। शाह ने कहा कि राष्ट्रीय सहकारी डाटाबेस के अनुसार 1 मार्च, 2025 तक 8,32,103 सहकारी समितियां पंजीकृत हैं। इनमें से 6,37,221 काम कर रही हैं, जबकि 45,811 बंद होने की कगार पर हैं। डेढ़ लाख से अधिक सहकारी समितियां निष्क्रिय हैं, जो काम नहीं कर रही हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ने इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। ब्यूरो

माध्यम से कृषि ग्रामीण विकास और स्वरोजगार से जुड़ी हुई है। यही क्षेत्र है जो देश के विकास में अहम योगदान दे रहा है। विधेयक के कानून बनने के बाद न सिर्फ देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि स्वरोजगार और लघु उद्यमिता के लिए नए अवसर पैदा होंगे।



## Country's first cooperative university will be opened in Gujarat: Amit Shah

# लोकसभा • त्रिभुवन सहकारी यूनि. बिल पास गुजरात में खुलेगी देश की पहली सहकारी यूनिवर्सिटी: अमित शाह

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

लोकसभा ने बुधवार को गुजरात के  
आणंद में देश की पहली सहकारी



यूनिवर्सिटी  
स्थापित करने  
के लिए विधेयक  
पारित कर दिया।  
यहां सहकारी  
समितियों के  
लिए योग्य लोग तैयार किए जाएंगे।  
सहकारिता मंत्री अमित शाह ने  
विधेयक पर बहस के दौरान कहा,  
यूनिवर्सिटी का नाम त्रिभुवनदास  
किशीभाई पटेल के नाम पर रखा गया

है। वे भारत में सहकारी आंदोलन के  
अग्रदूतों में से एक थे। उन्होंने अमूल  
की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका  
निभाई थी। शाह ने विपक्षी सदस्यों  
की इस मांग पर कटाक्ष किया कि  
यूनिवर्सिटी का नाम वर्गीज कुरियन  
के नाम पर रखा जाना चाहिए। उन्होंने  
कहा, त्रिभुवनदास कांग्रेस नेता थे,  
जिन्होंने कुरियन को नौकरी दी थी।  
शाह ने कहा, सहकारी क्षेत्र को और  
मजबूत करने के लिए सहकारी बीमा  
कंपनी स्थापित की जाएगी। ओला-  
उबर की तर्ज पर सहकार टैक्सी  
स्थापित की जाएगी, जो वाहनों का  
पंजीकरण करेगी।

# Cooperative cab service like Uber soon: Shah

## त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय के लिए बिल पास उबर जैसी सहकारी कैब सेवा जल्द: शाह

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। केंद्र सरकार जल्द ऐप आधारित सहकारी टैक्सी सेवा शुरू करने की तैयारी कर रही है। इसके तहत ओला, उबर जैसी दोपहिया और चार पहिया टैक्सी संचालित होंगी। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में बुधवार को कहा कि ऐप आधारित सहकारी टैक्सी सेवा के साथ सहकारिता क्षेत्र की बीमा कंपनी आने वाली है, जो कुछ वर्षों में देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी बन जाएगी।

लोकसभा में त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय विधेयक 2025 पर चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि आजादी के 75 वर्ष बाद देश को पहला सहकारिता विश्वविद्यालय मिल रहा है। इससे सहकारी आंदोलन में एक नए रक्त का संचार होगा। विश्वविद्यालय का नाम त्रिभुवन दास पटेल के नाम पर रखा गया है। उन्होंने पूरी दुनिया को आश्चर्यचकित करने वाली अमूल जैसी सबसे बड़ी सहकारी दुग्ध उत्पादक समिति की नींव रखी थी। 250 लीटर प्रतिदिन दुग्ध उत्पादन से विश्व में सबसे बड़े डेयरी ब्रांड बनने तक की अमूल की यात्रा त्रिभुवन दास पटेल की ही है। लोकसभा ने विपक्ष के संशोधनों को खारिज करते हुए विधेयक पर मुहर लगा दी।

करीब तीन घंटे तक चली चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगले लोकसभा चुनाव से पहले देश की हर ग्राम पंचायत में प्राथमिक कृषि ऋण समिति (पेक्स) होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने सहकारिता क्षेत्र की जरूरतों को समझते हुए एक अलग मंत्रालय

### सहकारिता क्षेत्र की बीमा कंपनी भी आएगी



### पिछले 75 साल में कोई प्रयास नहीं हुआ

अमित शाह ने कहा कि आज भारत में आठ लाख सहकारी समितियां हैं। 30 करोड़ लोग इनके सदस्य हैं। देश में हर पांचवां व्यक्ति को-ऑपरेटिव से जुड़ा है, लेकिन 75 साल से इसके विकास के लिए कोई प्रयास नहीं किया गया था।

08 लाख लोग हर वर्ष विश्वविद्यालय से प्रशिक्षित होंगे

01 साल में हर जिले में विश्वविद्यालय से जुड़े कॉलेज खुलेंगे

### चुनाव के बाद बंगाल में 'आयुष्मान' लागू होगा

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि अब दिल्ली में भी कमल खिल गया है। यहां भी गरीबों को आयुष्मान योजना का लाभ मिलेगा। बस पश्चिम बंगाल रुक गया है। अगले चुनाव में वहां भी कमल खिलेगा और यह योजना लागू हो जाएगी।

### गुजरात में देश का पहला सहकारी विश्वविद्यालय

त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह गुजरात में स्थित होगा, लेकिन इसका कार्यक्षेत्र पूरा देश होगा। सहकारिता मंत्री ने कहा कि देश के हर राज्य में सहकारिता संस्थान पंजीकृत किए जाएंगे और इस क्षेत्र में प्रशिक्षित मानव संसाधन की जरूरत इसी संस्थान के माध्यम से पूरी होगी। विश्वविद्यालय बनने के बाद सहकारिता क्षेत्र में डिग्री, डिप्लोमा रखने वाले अभ्यर्थियों को ही इस क्षेत्र में नौकरी मिलेगी। इस विश्वविद्यालय से डिप्लोमा, डिग्री के साथ ही पीएचडी भी की जा सकती है।

बनाया। तब से देश में पंचायत स्तर पर पैक्स खोलने के लिए अथक प्रयास किए जा रहे हैं। सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'सहकार से समृद्धि' का सिर्फ नारा नहीं दिया, बल्कि इसे जमीन पर उतारा है। उन्होंने

कहा कि सहकारी क्षेत्र में ओला, उबर जैसी टैक्सी सेवा आने वाली है। इसके तहत दोपहिया और चारपहिया दोनों तरह की टैक्सी संचालित होंगी। इसका मुनाफा धन्ना सेटों के पास नहीं बल्कि सीधे ड्राइवर के पास जाएगा।



# Cooperative taxi service will start in the country

अमित शाह ने लोकसभा में त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय विधेयक पर चर्चा के जवाब में कहा

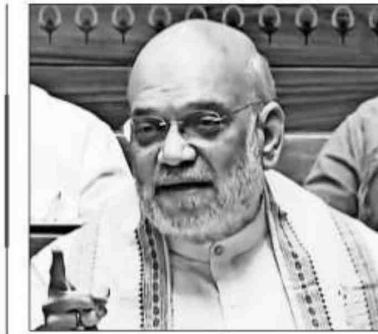
## देश में शुरू होगी सहकारी टैक्सी सेवा

जनसत्ता ब्यूरो  
नई दिल्ली, 26 मार्च।

साढ़े तीन साल में देश में सहकारिता क्षेत्र में मजबूत ढांचा तैयार होने का उल्लेख करते हुए सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि अगले लोकसभा चुनाव से पहले देश की हर ग्राम पंचायत में प्राथमिक कृषि ऋण समिति (पैक्स) होगी।

साथ ही आने वाले कुछ दिनों में देश में ओला व उबर जैसी एक सहकारी टैक्सी सेवा शुरू की जाएगी। शाह ने लोकसभा में 'त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय विधेयक, 2025' पर चर्चा का जवाब देते हुए यह बात कही। विधेयक में गुजरात के आणंद में ग्रामीण प्रबंधन संस्थान को त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय के रूप में विश्वविद्यालय का दर्जा देने और राष्ट्रीय महत्त्व की संस्था घोषित करने का प्रावधान है। अमित शाह के उत्तर के बाद लोकसभा ने विपक्ष के कुछ सदस्यों के संशोधनों को खारिज करते हुए विधेयक को ध्वनिमत से मंजूरी प्रदान कर दी।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की



शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने सहकारिता क्षेत्र की जरूरतों को समझते हुए एक अलग मंत्रालय बनाया और तब से देश में पंचायत स्तर पर 'पैक्स' खोलने के लिए अथक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सहकारिता क्षेत्र में मूल इकाई 'पैक्स' है। इसके बाद जिला और प्रदेश स्तर पर समितियां बनती हैं। हम देश की हर पंचायत तक 'पैक्स' पहुंचाने का काम अगली बार जनता के सामने जनादेश मांगने जाने से पहले पूरा कर लेंगे।

सरकार ने सहकारिता क्षेत्र की जरूरतों को समझते हुए एक अलग मंत्रालय बनाया और तब से देश में पंचायत स्तर पर 'पैक्स' खोलने के लिए अथक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सहकारिता क्षेत्र में मूल इकाई 'पैक्स' है। इसके बाद जिला और प्रदेश स्तर पर समितियां बनती हैं। हम देश की हर पंचायत तक 'पैक्स' पहुंचाने का काम अगली बार जनता के सामने जनादेश मांगने जाने से पहले पूरा कर लेंगे। शाह

ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सहकार से समृद्धि का नारा दिया। उन्होंने केवल नारा ही नहीं दिया, बल्कि इसे जमीन पर उतारा है। आने वाले कुछ दिनों में सहकारी क्षेत्र में ओला, उबर जैसी टैक्सी सेवा आने वाली है जिसमें दोपहिया और चारपहिया दोनों तरह की टैक्सी संचालित होंगी। उन्होंने कहा कि इसका मुनाफा धनना सेटों के पास नहीं जाएगा, बल्कि चालक के पास जाएगा। शाह ने कहा कि 75 साल से देश में एक

सहकारिता मंत्रालय की मांग थी, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने सुना। 75 साल तक सहकारिता क्षेत्र के विकास के लिए कुछ नहीं हुआ था। लेकिन आज एक तरह से हर परिवार का कोई व्यक्ति सहकारिता से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि साढ़े तीन साल के अंदर मंत्रालय ने बहुत काम किया है और सहकारिता क्षेत्र 30 करोड़ लोगों को स्वरोजगार से जोड़ रहा है। शाह ने कहा कि इस विधेयक के पारित होने के बाद ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त होगी, स्वरोजगार बढ़ेगा, छोटे उद्योगों का विकास होगा, सामाजिक समावेश बढ़ेगा और नवाचार में नए मानक स्थापित होंगे।

उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय से पूरे देश को नया सहकारी नेतृत्व प्राप्त होगा। शाह जब मोदी सरकार की दस साल की कुछ उपलब्धियां गिना रहे थे तो कांग्रेस के कुछ सदस्यों को यह कहते सुना गया कि सब कुछ पिछले दस साल में ही हुआ है। विपक्षी सदस्यों की टोकाटोकी के बीच शाह ने कहा कि आप कह रहे हैं कि सब हमारे आने के बाद हुआ है। हां जी, हमारे आने के बाद ही हुआ है।



## Before the next elections, there will be PACS in every Panchayat: Shah

# अगले चुनाव से पहले हर पंचायत में पैक्स होगी : शाह

नई दिल्ली (एसएनबी)। पिछले साढ़े तीन साल में देश में सहकारिता क्षेत्र में मजबूत ढांचा तैयार होने का उल्लेख करते हुए सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि अगले लोकसभा चुनाव से पहले देश की हर ग्राम पंचायत में प्राथमिक कृषि ऋण समिति (पैक्स) होगी और आने वाले कुछ दिनों में देश में ओला, उबर जैसी एक सहकारी टैक्सी सेवा शुरू की जाएगी।

शाह ने लोकसभा में 'त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी विधेयक, 2025' पर चर्चा का जवाब देते हुए यह बात कही। विधेयक में गुजरात के आणंद में ग्रामीण प्रबंधन संस्थान को त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी के रूप में विश्वविद्यालय का दर्जा देने और राष्ट्रीय महत्व की संस्था घोषित करने का प्रावधान है। अमित शाह के उत्तर के बाद लोकसभा ने विपक्ष के कुछ सदस्यों के संशोधनों को खारिज करते हुए विधेयक को ध्वनिमत से मंजूरी प्रदान कर दी। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने सहकारिता क्षेत्र की जरूरतों को समझते हुए एक अलग मंत्रालय बनाया और तब से देश में पंचायत स्तर पर पैक्स खोलने के लिए अथक प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा, "सहकारिता क्षेत्र में मूल इकाई पैक्स है। इसके बाद जिला और प्रदेश स्तर पर

समितियां बनती हैं। हम देश की हर पंचायत तक पैक्स पहुंचाने का काम अगली बार जनता के सामने जनादेश मांगने जाने से पहले



पूरा कर लेंगे।" शाह ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी ने सहकार से समृद्धि का नारा दिया। उन्होंने केवल नारा ही नहीं दिया, बल्कि इसे जमीन पर उतारा है। आने वाले कुछ दिन में सहकारी क्षेत्र में ओला, उबर जैसी टैक्सी सेवा आने वाली है जिसमें दोपहिया और चारपहिया दोनों तरह की टैक्सी संचालित

होंगी।" उन्होंने कहा कि "इसका मुनाफा धनना सेठों के पास नहीं जाएगा, बल्कि ड्राइवर के पास जाएगा।

शाह ने कहा, "75 साल से देश में एक सहकारिता मंत्रालय की मांग थी, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने सुना। 75 साल तक सहकारिता क्षेत्र के विकास के लिए कुछ नहीं हुआ था। लेकिन

■ **लोस में 'त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी विधेयक, 2025' पर हुई चर्चा**  
■ **कहा, सहकारी क्षेत्र में चलेगी टैक्सी**

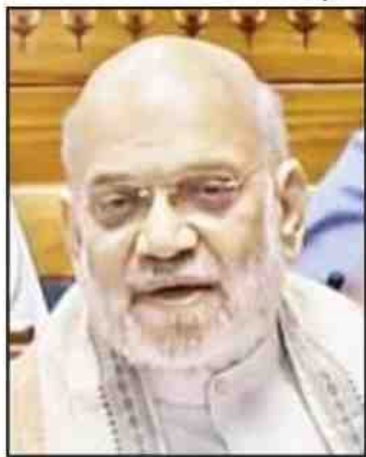
आज एक तरह से हर परिवार का कोई व्यक्ति सहकारिता से जुड़ा है।" उन्होंने कहा कि साढ़े तीन साल के अंदर मंत्रालय ने बहुत काम किया है और सहकारिता क्षेत्र 30 करोड़ लोगों को स्वरोजगार से जोड़ रहा है। शाह ने कहा कि इस विधेयक के पारित होने के बाद ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त होगी, स्वरोजगार बढ़ेगा, छोटे उद्योगों का विकास होगा, सामाजिक समावेश बढ़ेगा और नवाचार में नए मानक स्थापित होंगे। उन्होंने कहा कि इस

विश्वविद्यालय से पूरे देश को नया सहकारी नेतृत्व प्राप्त होगा। शाह जब मोदी सरकार की दस साल की कुछ उपलब्धियां गिना रहे थे तो कांग्रेस के कुछ सदस्यों को यह कहते सुना गया कि सब कुछ पिछले दस साल में ही हुआ है। विपक्षी सदस्यों की टोकाटोकी के बीच शाह ने कहा, "आप कह रहे हैं कि सब हमारे आने के बाद हुआ है। हां जी, हमारे आने के बाद ही हुआ है।" उन्होंने देश में मोदी सरकार से पहले के सात दशकों में और पिछले एक दशक में गरीबों के घरों के निर्माण, शौचालय, घरेलू रसोई गैस कनेक्शन, पेयजल कनेक्शन आदि के आंकड़े रखे।

शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने आयुष्मान योजना के तहत पांच लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा गरीबों को दी है। उन्होंने कहा, "अब दिल्ली में भी कमल खिल गया है और यहां भी गरीबों को आयुष्मान योजना का लाभ मिलेगा। बस पश्चिम बंगाल रह गया है और अगले विधानसभा चुनाव के बाद वहां भी यह योजना लागू हो जाएगी।" कांग्रेस सदस्यों को आड़े हाथ लेते हुए सहकारिता मंत्री ने कहा, "देश में संपदा बढ़ी है, लेकिन विचारों की गरीबी को हम नहीं मिटा सकते। वो तो (आपकी) पार्टी के क्रम में ऊपर से नीचे आती है। ऊपर के लोगों में ही विचारों की गरीबी है।"

## Cooperative societies will also run taxis: Shah

# सहकारी समितियां भी चलाएंगी टैक्सी : शाह



नई दिल्ली (एसएनबी)। पिछले साढ़े तीन साल में देश में सहकारिता क्षेत्र में मजबूत ढांचा तैयार होने का उल्लेख करते हुए सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि अगले लोकसभा चुनाव से पहले देश की हर ग्राम पंचायत में प्राथमिक कृषि ऋण समिति (पैक्स) होगी और आने वाले कुछ दिनों में देश में ओला, उबर जैसी एक सहकारी टैक्सी सेवा शुरू की जाएगी।

शाह ने लोकसभा में 'त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी विधेयक, 2025' पर चर्चा का जवाब देते हुए यह बात कही। विधेयक में गुजरात के आणंद में ग्रामीण प्रबंधन संस्थान को त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी के रूप में विश्वविद्यालय का दर्जा देने और राष्ट्रीय महत्व की संस्था घोषित करने का प्रावधान है।

\*\*\*\*\*